ह्यूमाना पीपल टू पीपल इंडिया
2024–25

HUMANA
PEOPLE TO PEOPLE INDIA

परिचय

ह्यूमाना पीपल टू पीपल इंडिया (एचपीपीआई), की स्थापना 1998 में एक विकास संगठन के रूप में हुई। यह संस्था शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरणीय स्थिरता, आजीविका और सामुदायिक विकास के क्षेत्रों में कार्य करती है। हमनें वर्ष 2024-25 में 17 राज्यों के 128 जिलों के 5,889 गाँवों में विकास कार्य द्वारा 11 लाख से अधिक लोगों तक पहुँच बनाई।

ह्यूमाना पीपल टू पीपल इंडिया ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के लोगों के साथ मिलकर पिछडे और उपेक्षित समुदायों के सामने आने वाली विभिन्न चुनौतियों के समाधान खोजने का काम करता है।

हम अच्छा तालमेल और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय साझेदारों, फाउंडेशनों, संगठनों के सहयोग और कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व कार्यक्रमों व परियोजनाओं के माध्यम से सरकारी विभागों के साथ मिलकर काम करते हैं।

ह्यूमाना पीपल टू पीपल इंडिया के कार्यक्रम भारत सरकार की विकास योजनाओं और संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों के अनुरूप हैं।

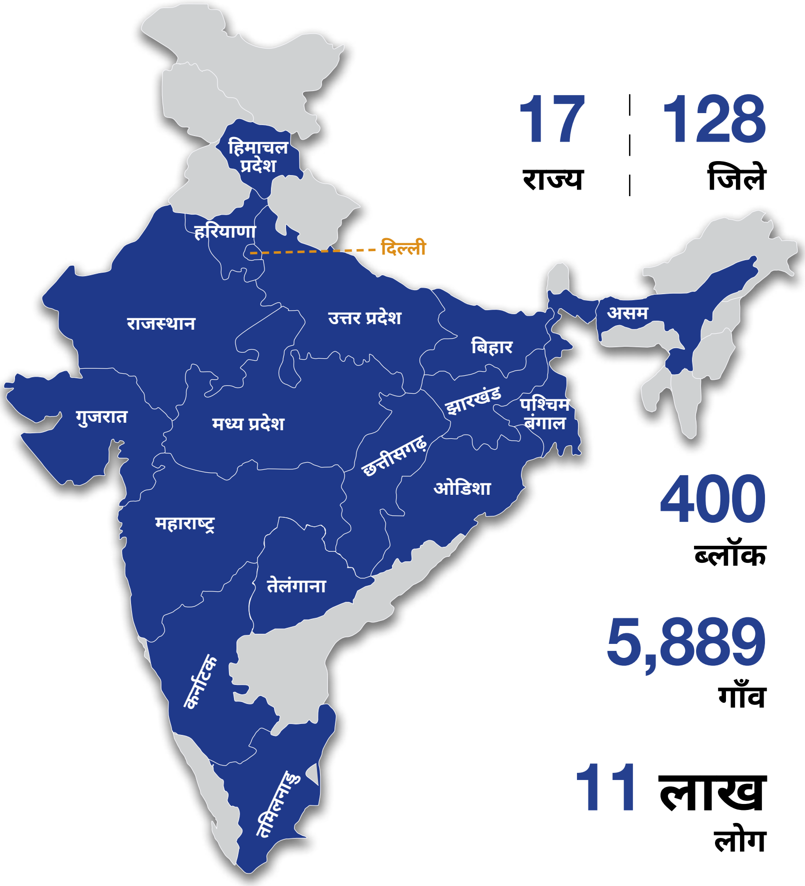
हिमाचल प्रदेश
हरियाणा
दिल्ली
राजस्थान
उत्तर प्रदेश
असम
बिहार
गुजरात
मध्य प्रदेश
झारखंड
पश्चिम बंगाल
छत्तीसगढ़
ओडिशा
महाराष्ट्र
तेलंगाना
कर्नाटक
तमिलनाडु

17 राज्य | **128** जिले

400 ब्लॉक

5,889 गाँव

11 लाख लोग

शिक्षा

ह्यूमाना पीपल टू पीपल इंडिया का उद्देश्य सभी के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना है, विशेष रूप से, उपेक्षित बच्चों और युवाओं के लिए। हमारे समावेशी शिक्षा कार्यक्रम सहभागितापूर्ण और समग्रतात्मक दृष्टिकोण द्वारा शिक्षार्थियों में ज्ञान प्राप्त करने और आत्मनिर्भरता की भावना विकसित करने में मदद करते है।

- **कदम कार्यक्रम** प्राथमिक विद्यालय के बच्चों में सीखने के अंतराल को पाटने का काम करता है और यह आउट-ऑफ-स्कूल बच्चों के साथ-साथ विद्यालय में पढ़ रहे विद्यार्थियों के लिए भी सफलतापूर्वक लागू किया जा रहा है। इसे प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों के लिए एक टूलकिट के रूप में विकसित किया गया है, जिससे की वे अपने विद्यार्थियों के शिक्षण स्तर को बढ़ा सकें।
- **आवश्यक शिक्षक प्रशिक्षण (एनईटीटी) कार्यक्रम** सरकारी शिक्षक प्रशिक्षण संस्थानों में सेवा-पूर्व प्रशिक्षण प्रदान करता है। यह भावी शिक्षकों को उपयुक्त कौशल और उपकरणों से रूबरू करवाता है, ताकि वे अपने विद्यार्थियों को सीखने की प्रक्रिया के केंद्र में रख सकें।
- **संभावना कार्यक्रम** शैक्षणिक, सामाजिक और जीवनोपयोगी कौशलों के माध्यम से उच्च प्राथमिक विद्यालय स्तर (कक्षा 6-8) के विद्यार्थियों के सीखने के स्तर को सशक्त बनाता है। समर्थ शिक्षा कार्यक्रम उच्च प्राथमिक और माध्यमिक स्तर की किशोरियों के लिए एक उपचारात्मक शिक्षा और जीवन कौशल विकास कार्यक्रम है।
- **पोफ़ (प्री-स्कूल ऑफ दा फ्युचर) कार्यक्रम** 3-6 वर्ष की आयु के बच्चों को गतिविधियों में संलग्न रखता है और उनकी संज्ञानात्मक और पेशीय (मोटर) कौशलों का विकास करता है।

4 QUALITY EDUCATION

उपलब्धियां 2024–25

145,904	आउट-ऑफ-स्कूल और विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चों तक कदम कार्यक्रम के माध्यम से पहुँच
7,785	शिक्षक और शिक्षा स्वयंसेवक कदम कार्यक्रम में शामिल हुए
6,171	छात्र-अध्यापक एनईटीटी कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षणरत
589	लड़कियाँ समर्थ अथवा बालिका शिक्षा कार्यक्रम के माध्यम से लाभान्वित हुईं

पर्यावरण

सभी परियोजनाओं में लोगों के साथ मिलकर, ह्यूमाना पीपल टू पीपल इंडिया जलवायु संकट को कम करने के टिकाऊ तरीकों को अपनाने के लिए समुदाय में जागरूकता फैलाता है।

- **नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत**: हमारे उपक्रम किसानों को बायोगैस प्लांट बनाने में मदद करते है, उन्हें सरकारी योजनाओं से जोड़ते है, और स्ट्रीट लाईट, स्वच्छ पेयजल और सिंचाई के लिए सौर ऊर्जा के उपयोग बढ़ावा देते है।
- **सतत खेती**: हम सूचना एवं संचार तकनीक का उपयोग करते हुए, तथा मिट्टी की गुणवता सुधारने के प्रशिक्षणों के माध्यम से किसानों के समूहों को सतत और रसायन मुक्त खेती अपनाने में सहयोग करते हैं, जिससे कृषि आय में सुधार होता है, भूमि की दीर्घकालिक उर्वरता एवं पोषण सुरक्षा बढती तथा पर्यावरणीय स्थिरता आती हैं।
- **वृक्षारोपण और इको-लिटरेसी**: एचपीपीआई कर्मचारी सहभागिता गतिविधियों के माध्यम से स्कूली बच्चों, समुदाय और साझेदारों के साथ मिलकर वृक्षारोपण अभियान चलाता है। हमारे कार्य जलवायु परिवर्तन पर पर्यावरणीय साक्षरता को बढ़ावा देते है, और स्वस्थ भोजन के लिए कीटनाशक रहित पोषण उद्यान का समर्थन करते है।
- **वस्त्रों का पुनःउपयोग और सर्कुलरिटी**: हम पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने के लिए पुराने वस्त्रों को एकत्रित और विक्रय करते हैं, इससे कचरा कम होता है, सस्ते कपडे उपयोग के लिए उपलब्ध होते है और यह रोजगार के नये अवसर पैदा करता हैं।

6 CLEAN WATER AND SANITATION

12 RESPONSIBLE CONSUMPTION AND PRODUCTION

7 AFFORDABLE AND CLEAN ENERGY

13 CLIMATE ACTION

उपलब्धियां 2024–25

216,467	बच्चों और वयस्कों ने पर्यावरण शिक्षा में भाग लिया
88,261	पेड़ लगाए
5,035	लोगों को सुरक्षित पेयजल समाधान उपलब्ध कराया
17	बायोगैस संयंत्रों का निर्माण किया

स्वास्थ्य

ह्यूमाना पीपल टू पीपल इंडिया सर्वाधिक जोखिमग्रस्त समुदायों के बीच जागरूकता फैलाने, रोगों की जाँच आदि करने तथा स्थानीय स्वास्थ्य केंद्रों के साथ सहयोग कर उपचार को सुगम बनाने तथा समुदायों की क्षमता निर्माण करने का कार्य करता है।

- **क्षय रोग (टीबी):** हम पिछले 10 वर्षों से टीबी के खिलाफ लड़ रहे हैं। एचपीपीआई उपेक्षित शहरी क्षेत्र जिनमें बेघर समुदाय, प्रवासी और झुग्गीयों में रहने वाले लोगों में टीबी संचरण को रोकने में सहयोग करता है। हम संवेदनशील आबादी में क्षमता निर्माण को बढ़ावा देते हैं, जागरूकता फैलाते हैं और टीबी से पीड़ित लोगों को आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं एवं राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों से जोड़ते हैं।
- **एचआईवी/एड्स:** एचपीपीआई पिछले 25 वर्षों से एचआईवी/एड्स के खिलाफ सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है। हमने विभिन्न राज्यों में राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी के साथ साझेदारी में राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के तहत एचआईवी से पीड़ित लोगों का सहयोग किया है, जिसमें संवेदनशील समूहों को लक्षित हस्तक्षेपों के माध्यम से जानकारी तथा गुणवत्तापूर्ण यौन संचारित रोग (एसटीआई)/एचआईवी सेवाएँ प्रदान करना शामिल हैं।
- **महिला एवं बाल स्वास्थ्य तथा असंचारी रोग:** हम मातृ देखभाल, पोषण और बाल टीकाकरण के माध्यम से महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार के लिए प्रयासरत हैं। साथ ही, हम मधुमेह, उच्च रक्तचाप और मानसिक स्वास्थ्य जैसे गैर-संचारी रोगों के प्रति जागरूकता पैदा कर जाँच और उपचार के माध्यम से सहयोग कर रहे हैं।

3 GOOD HEALTH AND WELL-BEING

5 GENDER EQUALITY

उपलब्धियां 2024–25

247,339	लोगों को टीबी के बारे में जानकारी और उनकी जाँच
47,253	शहरी असंगठित क्षेत्रों में रहने वाले लोगों तक स्वास्थ्य शिविरों से पहुंच
11,835	महिलाएँ हेल्थ क्लबों में सक्रिय
1,332	बच्चों और महिलाओं को आंगनवाड़ी केंद्रों की सुविधायें प्रदान करने में सहायता

आजीविका

हमारी आजीविका परियोजनाओं का उद्देश्य ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों की महिलाओं को आय-सृजन हेतु प्रासंगिक ज्ञान और कौशल प्रदान कर सशक्त बनाना है।

- **उद्यमिता विकास प्रशिक्षण**: हम महिलाओं को कौशल विकास और मार्गदर्शन के माध्यम से व्यवसाय शुरू करने, प्रबंधित करने और उसका विस्तार करने में सहयोग प्रदान करते हैं।
- **व्यावसायिक कौशल प्रशिक्षण**: हमारे कौशल-प्रशिक्षण कार्यक्रम, ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थानों और अन्य विशेष संगठनों के सहयोग से, महिलाओं को व्यावहारिक और आय-सृजनकारी कौशल हासिल करने में सहायक हैं।
- **वित्तीय साक्षरता एवं बाजार संपर्क**: ऑनलाइन बैंकिंग, ई-कॉमर्स का उपयोग, व्यवसाय प्रबंधन, संतुलित बजट बनाना, खर्चों पर नजर रखना और वित्तीय योजना बनाने का प्रशिक्षण देना हमारी परियोनाओं का हिस्सा है। महिला उद्यमियों और सहकारी समितियों को नए डिजाइन बनाने में, गुणवत्ता एवं संचालन सुधार कर तथा व्यवसाय विस्तार के लिए उनको बाजारों से जोडकर सहयोग प्रदान किया जाता है।
- **डिजिटल उद्यमी**: हमने महिलाओं को कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) शुरू करने एवं उन्हें चलाने के लिए प्रशिक्षिण और सहयोग प्रदान किया ताकि वे ग्राहकों को डिजिटल सेवाएं प्रदान कर सकें।

1 NO POVERTY

2 ZERO HUNGER

8 DECENT WORK AND ECONOMIC GROWTH

10 REDUCED INEQUALITIES

उपलब्धियां 2024–25

26,131	महिलाओं ने वित्तीय साक्षरता और उद्यमिता विकास प्रशिक्षण में भाग लिया।
6,173	महिलाओं ने अपने स्वयं के उद्यम शुरू या उनका विस्तार किया।
1,940	महिलाओं एवं युवाओं ने कौशल प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों में भाग लिया।
1,400	डिजिटल उद्यमी कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) संचालित कर रही हैं।

सामुदायिक विकास

हमारी सामुदायिक विकास परियोजनाएँ उपेक्षित समुदायों को एकजुट कर उन्हें स्थानीय समाधान तैयार करने में सशक्त और सक्षम बनती हैं, जिनमें शिक्षा, स्वास्थ्य और आजीविका का समावेश शामिल है। हम ग्रामीण स्वच्छता समूहों, झुग्गी विकास समितियों, तथा बच्चों, किशोरों और महिलाओं के क्लबों जैसे सामुदायिक समूहों के साथ मिलकर कार्य करते हैं।

- **अडॉप्ट ए विलेज (एक गाँव गोद लेना):** हमारी परियोजनाएँ ग्रामीण क्षेत्रों में स्कूली शिक्षा एवं ढाचागत विकास में सहयोग, व्यावसायिक एवं डिजिटल कौशलों का विकास, स्वास्थ्य शिविर के आयोजन तथा पर्यावरणीय जागरूकता के माध्यम से युवाओं व महिलाओं को सशक्त बनाकर असमानता को दूर का काम करती हैं।
- **समेकित झुग्गी विकास:** समेकित झुग्गी विकास परियोजनाएं समुदायों को एकजुट कर उनकी जीवन स्थितियों में सुधार करते हुए शहरी गरीबी को कम करना हैं। हम हेल्प डेस्क या संसाधन केंद्रों के माध्यम से शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं की पहुँच के लिए, शहरी प्रवासियों को पहचान पत्र बनवाने और सार्वजनिक सेवाओं तक पहुँचने में सहायता करती हैं।
- **विशेष आवश्यकता वाले बच्चे और बाल श्रम के खिलाफ अभियान:** विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की परियोजना दिव्यांग बच्चों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने और उनके लिए समान अवसर सुनिश्चित करने में सहायता प्रदान करती है। हमारी बाल श्रम के खिलाफ अभियान परियोजना उपेक्षित समुदायों से आने वाले बच्चों के लिए गौरवपुर्ण स्वस्थ बचपन सुनिश्चित करने की दिशा में कार्यरत है।

HUMANA
Welspun
1 NO POVERTY
3 GOOD HEALTH AND WELL-BEING
5 GENDER EQUALITY
6 CLEAN WATER AND SANITATION

उपलब्धियां 2024–25

225,000
लोगों तक सामुदायिक विकास परियोजनाओं के माध्यम से पहुँच।

1,543
लोगों ने कार्यात्मक साक्षरता पाठ्यक्रमों में भाग लिया।

85
विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को सहयोग प्रदान किया।

30
सामुदायिक विकास परियोजनाएँ शुरू की।

वित्तीय विवरण

2024–25

अनुदान एवं अन्य स्त्रातों से आय

₹66.61 करोड़ (₹66,61,48,661)

वित्तपोषण के स्रोत

संगठन और फाउंडेशन	41.66%
कंपनियाँ/सीएसआर	36.92%
एचपीपी फेडरेशन नेटवर्क सदस्य	16.09%
अन्य	3.36%
सरकार	1.97%
	100%

वित्तपोषण का व्यय

शिक्षा	45.25%
सामुदायिक विकास	26.17%
स्वास्थ्य	14.84%
आजीविका	13.37%
पर्यावरणीय स्थिरता	0.37%
	100%

संचालन

एचपीपीआई ने एक मजबूत संस्थागत और संचालन प्रणाली को अपनाया है। संगठन का समग्र प्रबंधन निदेशक मंडल द्वारा किया जाता है, जिसमें कार्यकारी, गैर-कार्यकारी और स्वतंत्र निदेशकों का मिश्रण है। एचपीपीआई अपनी प्रक्रियाओं और कार्यप्रणाली में सर्वोच्च स्तर की जवाबदेही और पारदर्शिता के लिए प्रतिबद्ध है।

NGB
NGO Governance Benchmark
by NGO Governance Standards SA

ह्यूमाना पीपल टू पीपल फेडरेशन

ह्यूमाना पीपल टू पीपल इंडिया, अंतर्राष्ट्रीय ह्यूमाना पीपल टू पीपल मूवमेंट का सदस्य है, यह एक गैर-लाभकारी नेटवर्क है जो अंतर्राष्ट्रीय एकजुटता, सहयोग और विकास के कार्यों में संलग्न है। ह्यूमाना पीपल टू पीपल फेडरेशन के 29 स्वतंत्र संघ सदस्य अफ्रीका, एशिया, यूरोप, उत्तर और दक्षिण अमेरिका में कार्यरत हैं, जो प्रति वर्ष 5 महाद्वीपों और 46 देशों में 1.5 करोड़ से अधिक लोगों तक पहुँचते हैं।

Follow us

info@humana-india.org
www.humana-india.org

कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 25 के तहत पंजीकृत
विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम, 2010 के तहत पंजीकृत
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 12ए और 80जी के तहत पंजीकृत

111/9-जेड, अरुणा आसफ अली मार्ग, किशनगढ़ गांव, वसंत कुंज, नई दिल्ली, 110070
फोन नंबर: 011-47462222